हरिभूमि रत्न भूमि

रायपुर, शुक्रवार 30 अक्टूबर 2026

राजिम | फिंगेश्वर | छुरा | मुड़ागांव | रसेला | गरियाबंद | कोपरा | मैनपुर | देवभोग | पांडुका | छुईहा बेलर

हरिभूमि
सुनहरा मौका
सुनिश्चित उपहार 2026
सामान्य कूपन
30 अक्टूबर 2026
कूपन नं.
22

चक्रवाती तूफान का कहर...



गरियाबंद। तेज हवा-बारिश से खेतों में बिछी धान और मक्का की फसल, जनजीवन प्रभावित। *विस्तृत खबर पृष्ठ 4 पर*

खबर संक्षेप

आज गांधी मैदान में विशाल जनसभा और पदयात्रा

गरियाबंद। भारतीय जनता पार्टी जिला गरियाबंद के तत्वावधान में शुक्रवार, 30 अक्टूबर को गाँधी मैदान में लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के तहत विशाल जनसभा एवं भव्य पदयात्रा का आयोजन किया जाएगा।



कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री खुशवंत साहेब मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम में भाजपा जिला संगठन प्रभारी अमित चिमनानी, राजिम विधायक रोहित साहू, बिंद्रानवागढ़ विधानसभा प्रभारी नेहरू निषाद सहित पूर्व विधायकगण एवं पार्टी के वरिष्ठ नेता उपस्थित रहेंगे। जिला अध्यक्ष अनिल चंद्राकर ने बताया की निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, प्रातः 11 बजे गांधी मैदान, गरियाबंद में विशाल जनसभा आयोजित होगी। इसके पश्चात गांधी मैदान से सिविल लाइन तक पदयात्रा निकाली जाएगी तथा पार्टी के समस्त ▶▶|शेष पेज 10 पर

बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए न्यायाधीशों ने संभाली कमान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गरियाबंद

बच्चों की सुरक्षा, संरक्षण और अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से तालुका विधिक सेवा समिति द्वारा 'सुरक्षित बचपन अभियान' के तहत जिले के विभिन्न स्कूलों में विशेष जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के माध्यम से बच्चों को उनके अधिकारों, सुरक्षा के उपायों और बाल अपराधों से संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी देकर जागरूक किया जा रहा है। इन शिविरों में जिला एवं अपर सत्र न्यायालय के न्यायाधीशगण स्वयं स्कूलों में पहुंचकर बच्चों से संवाद कर रहे हैं। अभियान की थीम 'जागरूकता, सुरक्षा एवं संरक्षण—हर बच्चे का अधिकार' रखी गई है। इसके अंतर्गत 'मेरा बचपन, मेरा अधिकार', 'बोलो, बताओ, बचाओ', 'ना बाल विवाह, ना बाल शोषण', 'कानून जानो, बचपन बचाओ', 'सुरक्षित क्लिक, सुरक्षित बचपन' और 'जागरूक बचपन, सशक्त ▶▶|शेष पेज 10 पर

- 'सुरक्षित बचपन अभियान': गुड टच-बैड टच, बाल विवाह, पॉक्सो कानून और साइबर अपराध से बचाव की दे रहे जानकारी



स्कूलों में लग रहे विशेष जागरूकता शिविर

PROUD TO ANNOUNCE
SANJAY RUNGTA GROUP OF INSTITUTIONS
KOHKA-KURUD, BHILAI
EXCELLENCE GUARANTEE
BEST PRIVATE DENTAL COLLEGE IN CENTRAL INDIA with 'A' Grade accredited by NAAC
RUNGTA COLLEGE OF DENTAL SCIENCES & RESEARCH
(Under The Aegis of Sanjay Rungta Group of Institutions)
Outlook-ICARE Rankings 2026
1st AMONGST PRIVATE DENTAL COLLEGES IN CENTRAL INDIA & 16th AMONGST DENTAL COLLEGES IN INDIA has been RANKED By Outlook
1st AMONGST PRIVATE DENTAL COLLEGES IN CENTRAL INDIA has been RANKED By INDIA TODAY
REGISTRATION OPEN
ONLY FEW SEATS LEFT
AC CLASS ROOMS
BDS | MDS
BEST FACULTY • BEST INFRASTRUCTURE • BEST RESULTS
Only college in CENTRAL INDIA offering MDS in ALL 9 specialization
1. Prosthodontics & Crown and Bridge
2. Periodontology
3. Orthodontics & Dentofacial Orthopedics
4. Conservative Dentistry and Endodontics
5. Paediatrics & Preventive Dentistry
6. Oral & Maxillofacial Surgery
7. Oral Pathology & Microbiology
8. Oral Medicine & Radiology
9. Public Health Dentistry
www.rungtacolleges.com
@rungtacolleges
ADMISSION HELP LINE : 9229 111 555, 92293 44402

Video Shopping www.shreeshivam.com
दिल से दिवाली,
हर रिश्ते के लिए!
ख़ास FESTIVE COLLECTION
MEN | WOMEN | KIDS WEAR
Midnight Shopping
FRIDAY • SATURDAY • SUNDAY
CENTRAL INDIA'S LARGEST FAMILY FASHION STORE
SHREE SHIVAM
THE TOGETHERNESS STORE
रायपुर: जीवन बीमा मार्ग, पंडरी • बिलासपुर: अग्रसेन चौक, लिंक रोड • दुर्ग: संतरा बाड़ी, स्टेशन रोड
अधिक जानकारी के लिए, कॉल करें: 72229-55555
RAIPUR • BILASPUR • DURG • NAGPUR • BHOPAL • JABALPUR • CHHINDWARA

खबर संक्षेप

साजपाली मार्ग पर संकेतक बोर्ड न होने से भटक रहे राहगीर, ग्रामीणों ने की मांग



मुड़ागांव (कोरासी)। गरियाबंद जिले के छुरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत साजपाली में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत निर्मित सड़क पर संकेतक बोर्ड नहीं होने से राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खासकर दूसरे गांवों से आने वाले लोगों को सही रास्ते की जानकारी नहीं मिलने के कारण भटकना पड़ रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार, साजपाली से मुड़ागांव, अमलोर, तमोरा और भीमखोज की ओर जाने वाले मार्ग पर दिशा सूचक बोर्ड नहीं लगाया गया है। इसके चलते बाहरी राहगीरों को रास्ता पहचानने में दिक्कत होती है और कई बार वे भ्रमित होकर गलत मार्ग पर चले जाते हैं। इससे उन्हें अनावश्यक समय और दूरी तय करनी पड़ती है।

ग्रामीणों एवं राहगीरों ने संबंधित विभाग का ध्यान इस समस्या की ओर आकर्षित करते हुए मार्ग के प्रमुख मोड़ और चौराहे पर जल्द से जल्द संकेतक बोर्ड लगाने की मांग की है, ताकि आवागमन सुगम हो सके और लोगों को रास्ता खोजने में परेशानी न हो।

गरियाबंद लाइवलीहुड कॉलेज में निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण

गरियाबंद। जिला परियोजना लाइवलीहुड कॉलेज सोसायटी, गरियाबंद में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत युवक-युवतियों को लगभग तीन माह का निःशुल्क गैर-आवासीय कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें 15 से 45 वर्ष के अभ्यर्थी कंप्यूटर हेल्पडेस्क और फोर व्हीलर सर्विस असिस्टेंट पाठ्यक्रम में आवेदन कर सकते हैं। वहीं, नव्या प्रोजेक्ट के तहत 16 से 25 वर्ष की युवतियों को कंप्यूटर प्रशिक्षण दिया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, राशन कार्ड, शैक्षणिक योग्यता प्रमाणपत्र तथा जाति एवं निवास प्रमाणपत्र की छायाप्रति के साथ लाइवलीहुड कॉलेज, टोनही नाला के आगे, देवभोग रोड, गरियाबंद में जल्द आवेदन करें। पहले आवेदन करने वाले हितग्राहियों को प्राथमिकता दी जाएगी। अधिक जानकारी के लिए जिला परियोजना लाइवलीहुड कॉलेज सोसायटी, गरियाबंद में संपर्क किया जा सकता है।

25 हजार नकद जब्त 4 सटोरिया गिरफ्तार

अभनपुर। उपरपारा वार्ड 9 स्टेशन रोड के पास दबिश देकर कथित रूप से सट्टा खिलाते चार आरोपियों को पकड़ा गया है। आरोपियों के कब्जे से 6 स्मार्टफोन, 14 सट्टा पर्चियां और लगभग 25 हजार से अधिक रुपये सहित अन्य सामान जब्त किया गया। जब्त सामग्री की कुल कीमत 1 लाख से अधिक बताई गई है।

पकड़े गए आरोपियों में विक्रम सिंह उम्र 27 वर्ष निवासी वार्ड 7, साहिल गिलहरे उम्र 19 वर्ष निवासी बड़े उरला, टामुन पाल उम्र 57 वर्ष निवासी सिंगारभाठा, जीवन ध्रुव उम्र 46 वर्ष ग्राम खिलोरा का नाम शामिल हैं। प्राप्त जानकारी अनुसार आरोपी, लोगों से रुपये लेकर अंकों पर दांव लगवाते हुए सट्टा पट्टी लिख रहे थे।

पर्व : चंद्रमा को अर्घ्य देकर की सुख-समृद्धि और खुशहाल दांपत्य जीवन की कामना

करवा चौथः पति की दीर्घायु के लिए सुहागिनों ने रखा निर्जला व्रत





हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर



पति की लंबी आयु, अच्छे स्वास्थ्य और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना को लेकर गुरुवार को सुहागिन महिलाओं ने करवाचौथ का व्रत श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ रखा। इस अवसर पर महिलाओं ने दिनभर निर्जला उपवास रखकर अपने पति की दीर्घायु और परिवार की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

करवाचौथ पर्व को लेकर महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। महिलाओं ने पारंपरिक परिधान धारण कर सोलह शृंगार किया और शाम को विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर करवाचौथ व्रत की कथा सुनी। रात्रि में चंद्रमा के दर्शन कर उन्हें अर्घ्य अर्पित किया तथा पति की लंबी उम्र और परिवार की खुशहाली की कामना की। इसके बाद पति के हाथों जल ग्रहण कर व्रत का पारण किया। दुर्गा मंदिर के पुजारी पंडित योगेश शर्मा ने बताया कि करवा चौथ का व्रत कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को रखा जाता है। करवाचौथ भारतीय संस्कृति में पति-पत्नी के अटूट प्रेम, विश्वास और समर्पण का प्रतीक माना जाता है। यह पर्व वैवाहिक रिश्तों की मधुरता और पारिवारिक एकता का संदेश देता है। पर्व के दौरान महिलाओं में उत्साह और श्रद्धा का माहौल रहा।

सुहागिन महिलाओं ने रखा करवा चौथ व्रत, पति की लंबी उम्र की कामना

छुईहा बेलर। ग्राम चैतरा में सुहागिन महिलाओं ने पारंपरिक श्रद्धा और उत्साह के साथ करवा चौथ का व्रत रखा। इस अवसर पर महिलाओं ने माडव्य ऋषि आश्रम बावाकुपि में शिव मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर अपने पति की लंबी उम्र, सुख-समृद्धि और खुशहाल दांपत्य जीवन की कामना की। करवा चौथ व्रत भारतीय संस्कृति और वैवाहिक परंपराओं से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। इस दिन सुहागिन महिलाएं अपने पति की दीर्घायु और परिवार की सुख-शांति के लिए व्रत रखती हैं। ग्राम चैतरा में भी महिलाओं ने उत्साहपूर्वक पर्व मनाया और परंपरा के अनुसार पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर कविता यादव, श्रद्धा साहू, भुवनेश्वरी साहू, केसर साहू, तेजेश्वरी साहू, विमला साहू, सावित्री साहू, नंदनी साहू, हीरा साहू व्रत रखने वाली सहित समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे।

अभनपुर जपं में अनियमितता का आरोप महिला सरपंच लता सिन्हा 20 नवंबर से देंगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नवापारा-राजिम



ग्राम पंचायत तर्री की महिला सरपंच लता सिन्हा ने जनपद पंचायत अभनपुर के अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि जनपद पंचायत में पदस्थ इंजीनियर्स ने निर्माण कार्य के सत्यापन के नाम पर उनसे 42 हजार रुपए लिए हैं। सरपंच ने कहा है कि यदि संबंधित अधिकारियों द्वारा यह राशि तत्काल वापस नहीं की जाती है, तो वे आगामी 20 नवंबर से जनपद पंचायत कार्यालय के सामने अनिश्चितकालीन धरने पर बैठेंगी। इस आंदोलन में उनके साथ ग्राम पंचायत के पंच और ग्रामीण भी बड़ी संख्या में शामिल होंगे। सरपंच लता सिन्हा के अनुसार, पंचायत में हुए कुछ विकास कार्यों के सत्यापन के लिए अधिकारी पहुंचे थे, इस दौरान उन्होंने 2 प्रतिशत कमीशन की मांग की। इसके तहत 21 लाख रुपए के निर्माण कार्य का 2 प्रतिशत यानी 42 हजार रुपए दे दिए गए। जब इस बात की जानकारी उनके पति को मिली, तो उन्होंने अधिकारियों से नाराजगी जताई और ली गई राशि को तुरंत वापस करने की मांग की। इसके बाद से अधिकारियों का रवैया बदल गया और प्रताड़ित किया जाने लगा। आरोप है कि इस संबंध में जब पक्ष जानने के लिए संबंधित अधिकारी को कई बार फोन किया गया, तो उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया। महिला सरपंच का यह भी कहना है कि अभनपुर ब्लॉक में भाजपा समर्थित सरपंचों को खासतौर पर निशाने पर रखा जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि कार्रवाई नहीं हुई और राशि वापस नहीं लौटाई गई, तो वे एक प्रतिनिधिमंडल के साथ मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री से मिलकर वस्तुस्थिति से अवगत कराएंगी।

42 हजार रुपए वापस करने की मांग

हाईस्कूल रसेला में छात्राओं के लिए अलग शौचालय की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ रसेला



गांव की पगडंडियों से होकर जब बेटियां सुबह स्कूल के लिए निकलती है, तो उनके कंधों पर केवल किताबों का बस्ता नहीं होता, बल्कि अपने सपनों को पूरा करने की उम्मीद भी होती है। कोई डॉक्टर बनना चाहती है, कोई शिक्षिका, कोई पुलिस अधिकारी तो कोई अपने माता-पिता का नाम रोशन करने का सपना देखती है। इन सपनों की राह में कई बार ऐसी बुनियादी जरूरतें भी बड़ी चुनौती बन जाती है, विद्यालय में सुरक्षित, स्वच्छ और अलग शौचालय का अभाव ऐसी ही एक चुनौती है। इसी कड़ी में हाईस्कूल रसेला में बालिकाओं के लिए शौचालय की व्यवस्था अत्यंत आवश्यक है। उचित स्वच्छता सुविधाएं न होने से छात्राओं की शिक्षा, स्वास्थ्य और उपस्थित पर सीधा बुरा असर पड़ता है।

■ शौचालय के कमी से छात्राओं को हो रही परेशानी

सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि स्कूलों में छात्राओं के लिए अलग शौचालय होना अनिवार्य है। यह नियम सरकारी और निजी दोनों तरह के स्कूलों पर समान रूप से लागू होगा। इस दौरान ग्राम रसेला के हाईस्कूल के बात सामने आई कि यहां पर छात्राओं के लिए पर्याप्त शौचालय की सुविधा उपलब्ध नहीं है, जिसके कारण उन्हें प्रतिदिन गंभीर परेशानियों और असहजता का सामना करना पड़ रहा है। शौचालय के अभाव में छात्राएं न केवल असहज महसूस करती है, बल्कि उनके लिए स्वास्थ्य संबंधी जोखिम भी बढ़ गए है। संक्रमण और बीमारियों का डर उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से प्रभावित कर रहा है, जिसका सीधा और नकारात्मक असर उनकी पढ़ाई पर पड़ रहा है। ज्ञात हो कि यहां कि कुल दर्ज संख्या 274 है। स्थिति केवल शौचालय की अनुपलब्धता तक सीमित नहीं है, जिन स्कूलों में शौचालय मौजूद भी है, उनमें से अधिकांश की हालत जर्जर और बेहद खराब है। यहां के शिक्षकों का कहना है कि छात्राओं संख्या के अनुपात में शौचालयों की संख्या बढ़ाए जाने की सख्त आवश्यकता है। छात्रों ने बताया कि शौचालय की कमी के कारण कई छात्राएं स्कूल आने के बजाय घर पर रहना ही बेहतर समझती है। छात्राओं की अधिक संख्या होने के बावजूद शौचालय न होना शर्मनाक है। अभिभावकों और स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि सभी विद्यालयों में छात्राओं के लिए अलग, सुरक्षित और क्रियाशील शौचालय की व्यवस्था तत्काल की जाएं।

श्री रामराज युवा संगठन ने लगाया रक्तदान शिविर

हरिभूमि न्यूज ⏭ गरियाबंद



समाज सेवा का संकल्प जब युवाओं के उत्साह से जुड़ता है, तो मानवता की सेवा के नए आयाम स्थापित होते हैं। इसी भावना को चरितार्थ करते हुए श्री रामराज युवा संगठन गरियाबंद ने अपने सफलतम 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर में संगठन के सदस्यों और महाविद्यालयीन विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर स्वेच्छा से रक्तदान किया तथा जरूरतमंद मरीजों की जीवन रक्षा के लिए समाज को प्रेरक संदेश दिया। श्री रामराज युवा संगठन पिछले 12 वर्षों से समाज सेवा, जनसेवा, गौसेवा सहित विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। संगठन ने अपनी स्थापना से ही जरूरतमंदों की सहायता और जनकल्याणकारी कार्यों को प्राथमिकता देते हुए नगर में अलग पहचान बनाई है। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारी प्रकाश सोनी ने कहा कि रक्तदान महादान है। हमारे द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन को बचाने में संजीवनी साबित हो सकता है। संगठन की 12 वर्षों की यात्रा समाज के प्रति समर्पण, सहयोग और सेवा भावना का प्रतीक रही है। शिविर के सफल आयोजन पर संगठन की ओर से सभी रक्तदाताओं, सदस्यों, सहयोगियों और शुभचिंतकों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर खीरसिह यादव, आकाश तिवारी, भानु प्रकाश राजपूत, नवीन सिन्हा, आयुष सोनी, सौरभ साहू, कान्हा सिन्हा सहित विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थी एवं संगठन के सदस्य उपस्थित रहे।

सिरजन लोक कला वार्षिक महोत्सव 31 को आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुईहा

प्रदेश की बहुआयामी छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक और साहित्यिक संस्था सिरजन कला मंच के तत्वावधान में वार्षिक कला महोत्सव का आयोजन 31 अक्टूबर को समीपस्थ ग्राम फुलझर में रखा गया है। आयोजन समीति से जुड़े गौकरण मानिकपुरी, चैतू राम तारक, यश कुमार साहू, बाबुलाल ने बताया सिरजन संस्था से जुड़े 28 बड़े छत्तीसगढ़ी कला मंच के कलाकारों की प्रस्तुति के साथ विशेष आमंत्रण पर पहुंच रहे कलाकारों की कला की छटा बिखेरेंगी। आयोजन में बस्तर आदिवासी मरिया नृत्य बांस गीत, चंदैनी, पंडवानी, नाचा, भर्तरी, लोक मंच, सुवागीत संगीतमय नृत्य, मंगल चौका आरती, पंथी, मानस गान, रामधुनी, फाग गीत, जस ज्वारा माता सेवा गीत, जगराता, साहित्यिक संगोष्ठी, कवि सम्मेलन जैसे छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम की मंचीय में गरियाबंद, धमतरी, बस्तर जिला की प्रस्तुति होगी।

■ आदिवासी मरिया गीत, चंदैनी, पंडवानी, नाचा, भर्तरी जैसे विधाओं की होगी प्रस्तुति

कार्यक्रम का शुभारंभ 31 अक्टूबर को 11 दिन से होंगी जो देर रात तक कलाकार और दर्शकों की जुड़ते तक चलेगा। शुभारंभ पं. पुष्कर तिवारी के मंत्रोच्चारण से होंगी। कार्यक्रम में विशेष आमंत्रण सिरजन कला संस्था के प्रदेश अध्यक्ष एंव हरिभूमि चौपाल एडिशन के सम्पादकीय प्रमुख डा. दीनदयाल साहू भिलाई, एंव गायत्री प्रज्ञा मंडल छुईहा प्रमुख डा. राजाराम मिरादेवी सिन्हा होगें। जबकि कार्यक्रम में शुभारंभ के अतिथि जिला पंचायत सभापति नंदनी साहू, जिला पंचायत सभापति शिवांगी चतुर्वेदी, जिला पंचायत सदस्य इन्द्रजित महाड़िक, पुर्व जनपद अध्यक्ष जमींदार राघोबा महाड़िक, होगे वहीं समापन सम्मान समारोह के अतिथि अध्यक्ष जिला साहू संघ प्रवीण साहू, अध्यक्षता सिरजन प्रदेश अध्यक्ष डा. दिनदयाल साहू, अध्यक्ष जिला निषाद समाज मोती राम निषाद बिजली हेमंत सोलर स्योलेशन के डायरेक्टर तुलसी राम साहू होगें। कार्यक्रम को सफल बनाने में ग्राम पंचायत फुलझर के सरपंच सन्तोष कुमार दीवान, संरक्षक डॉ नूतन लाल साहू, केंद्रीय प्रतिनिधि डॉ ईश्वर, संरक्षक सेवक ठाकुर, संस्थापक गौकरण मानिकपुरी, तुलेश्वर घृतलहरे, गंगा बाई मानिकपुरी, सचिव बाबूलाल साहू, उज्ज्वल दिव्यांग संघ के जिला अध्यक्ष जागेश्वर साहू, सहसंयोजक यश कुमार साहू, नंदकुमार ध्रुव दशरथ तारक चोवा राम यादव शामिल हैं।

पेज 9 के शेष...

आज गांधी मैदान...

पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है।

बच्चों के अधिकारों...

भारत' जैसे संदेशों के माध्यम से बच्चों को जागरूक किया जा रहा है। तालुका विधिक सेवा समिति गरियाबंद के अध्यक्ष एवं जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश बी.आर. साहू, फास्ट ट्रैक पॉक्सो स्पेशल कोर्ट की न्यायाधीश श्रीमती गंगा पटेल तथा न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सुश्री खुशबू जैन द्वारा विभिन्न शासकीय, अर्धशासकीय एवं निजी स्कूलों में आयोजित शिविरों में बच्चों को महत्वपूर्ण कानूनी जानकारियां दी जा रही हैं। शिविरों में बच्चों को गुड टच-बैड टच की पहचान, किसी भी प्रकार के शोषण से बचाव, बालकों के संरक्षण से संबंधित कानूनी प्रावधान, पॉक्सो अधिनियम तथा बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के बारे में विस्तार से बताया जा रहा है। इसके साथ ही वर्तमान समय में बढ़ते साइबर अपराधों को देखते हुए बच्चों को इंटरनेट और डिजिटल माध्यमों का सुरक्षित उपयोग करने, ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने तथा किसी भी असामान्य या अनुचित गतिविधि की स्थिति में उचित कदम उठाने के प्रति जागरूक किया जा रहा है। नालसा के निर्देशानुसार आयोजित इन शिविरों का संचालन न्यायाधीशगण, पैनल अधिवक्ताओं, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गठित सामाजिक कार्यकर्ताओं, बाल कल्याण समिति, चाइल्ड हेल्पलाइन इकाई, विशेष किशोर पुलिस इकाई तथा अधिकार मित्रों के सहयोग से किया जा रहा है। विभिन्न विभागों की सहभागिता से बच्चों को कानूनी सहायता, सुरक्षा तंत्र और आवश्यक सहयोग के बारे में जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है।

सुरक्षित, संरक्षित और भयमुक्त वातावरण करें तैयार- शिविरों को संबोधित करते हुए न्यायाधीशगण ने कहा कि एक सुंदर, सुरक्षित और संवेदनशील समाज की स्थापना के लिए बच्चों की सुरक्षा, गरिमा और उनके अधिकारों को सुनिश्चित करना आवश्यक है। बच्चों के अधिकारों की रक्षा करना समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सामूहिक जिम्मेदारी है। विशेषकर बाल्यावस्था की कोमल उम्र में बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बच्चों को अपने साथ होने वाली किसी भी अनुचित घटना के संबंध में बिना भय के अपनी बात रखने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। परिवार, विद्यालय और समाज के सभी वर्गों के सक्रिय सहयोग से ही बच्चों के लिए सुरक्षित, संरक्षित और भयमुक्त वातावरण तैयार किया जा सकता है।

इन स्कूलों में लग चुके शिविर- सुरक्षित बचपन अभियान के अंतर्गत अब तक द्रोणाचार्य पब्लिक स्कूल, प्राथमिक एवं मिडिल स्कूल मालगांव, सरस्वती शिशु हायर सेकंडरी स्कूल गरियाबंद, संत सिया भुनेश्वरी शरण गुरुकुल कुटेना, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम स्कूल गरियाबंद तथा स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल गरियाबंद में जागरूकता शिविर आयोजित किए जा चुके हैं।

कलेक्टर ने ली सड़क सुरक्षा एवं नशामुक्ति समिति की बैठक

अवैध शराब एवं मादक पदार्थों पर रोक के लिए गंभीरता से करें कार्य : कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज ⏭ गरियाबंद



कलेक्टर रणबीर शर्मा ने आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में एनकार्ड, जिला सड़क सुरक्षा समिति एवं नशामुक्त भारत अभियान की बैठक लेकर जिले में सड़क सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, नशामुक्ति अभियान एवं सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए सड़क सुरक्षा के उपायों को प्रभावी बनाने कहा। कलेक्टर ने जिले में अवैध शराब एवं मादक पदार्थों पर रोक लगाने के लिए गंभीरता पूर्वक कार्य करने के निर्देश दिए। साथ ही जिले में कहीं भी अवैध या छिपी हुई मादक पदार्थों की फसलों की खेती होने की सूचना मिलने पर जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। इस दौरान संबंधित विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे।

■ नशामुक्ति जागरूकता के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देष

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए लगातार प्रयास जरूरी हैं। उन्होंने नेशनल हाईवे पर चिन्हित अतिक्रमणों को हटाने के निर्देश दिए। कलेक्टर शर्मा ने सड़क पर घुमंतु एवं आवारा पशुओं के कारण होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए नागरिकों से सहयोग की अपील की। कलेक्टर शर्मा ने सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस को आवश्यक कार्रवाई करने तथा समझाइश देने के निर्देश दिए। आवागमन के दौरान दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट तथा चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का नियमित उपयोग करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही स्कूली बच्चों एवं 18 वर्ष से कम आयु के नाबालिगों को बिना वैध लाइसेंस वाहन नहीं चलाने के लिए जागरूक एवं निर्देशित किया।

कलेक्टर ने नशामुक्ति अभियान की समीक्षा करते हुए आबकारी, समाज कल्याण, कृषि एवं राजस्व विभाग सहित संबंधित विभागों को नशामुक्ति के संदेश का व्यापक प्रचार-प्रसार करने कहा। उन्होंने नशामुक्ति के लिए टोल फ्री नंबर 14446 का अधिक से अधिक प्रचार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नशा विनाश की जड़ है। स्कूली बच्चों एवं युवाओं को किसी भी प्रकार के नशे से दूर रखने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। नशामुक्ति अंतर्गत स्कूल एवं कॉलेजों में विभिन्न कार्यक्रम, प्रतियोगिताएं तथा जागरूकता गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए गए।

खबर संक्षेप



चिकित्सा के लिए सरकार के कैशलेश उपचार के निर्णय से मिलेगा लाभ

फिंगेश्वर। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा व प्रदेश संयुक्त मंत्री पूरन लाल साहू ने कहा कि मंत्रिपरिषद द्वारा राज्य के शिक्षकों व शासकीय सेवकों एवं उनके आश्रित परिवारजनों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा लागू करने के महत्वपूर्ण प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इसका लाभ लोगों को मिलेगा और हम सभी स्वागत करते हैं। नई व्यवस्था के तहत शासकीय सेवकों को उपचार के समय अस्पताल में चिकित्सा व्यय का भुगतान स्वयं करने और बाद में प्रतिपूर्ति के लिए लंबी प्रक्रिया से गुजरने की आवश्यकता नहीं होगी। टीचर्स एसोसिएशन लगातार कैशलेश चिकित्सा सुविधा हेतु प्रयासरत रहा है। हम मुख्यमंत्री व सरकार को धन्यवाद देते है, सूचीबद्ध अस्पतालों में शिक्षको व कर्मचारियों को कैशलेस उपचार की सुविधा मिलेगी।इस निर्णय से विशेष रूप से गंभीर बीमारी और आपातकाल की स्थिति में शासकीय सेवकों एवं उनके परिवारों को तत्काल उपचार के साथ बड़ी आर्थिक राहत मिलेगी। निर्णय का स्वागत करने वालों में प्रदेश संगठन सह सचिव विनोद सिन्हा,प्रदेश संयुक्त सचिव यशवंत बघेल जिलाध्यक्ष परमेश्वर निर्मलकर,आईटी सेल गिरीश शर्मा,टिकेंद्र यदु जिला उपाध्यक्ष,जिला संयोजक भुवन यदु,लता ध्रुव,ईश्वरी सिन्हा,नंदकुमार रामटेके,सुरेश केला,जमशीर कुरैशी,आर एस कंवर घनश्याम दिवाकर, ब्लॉक अध्यक्ष हुलस साहू, जीतेन्द्र सोनवानी,संतोष साहू,धवलेश्वर बेहरा,गोविंद पटेल,नंद कुमार रामटेके, दिनेश्वर साहू,संजय यादव,प्रहलाद मेश्राम,कमलेश बघेल, डगेश्वर धुरव,दिनेश निर्मलकर,कृपा राम बघेल सहित जिला इकाई गरियाबंद के छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी गण शामिल हैं।

किसानों के खातों में 20 हजार रुपए डाले सरकार

गरियाबंद। बेमौसम बारिश और तेज हवाओं ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। खेतों में पककर तैयार धान की फसल के चौपट होने से अन्नदाताओं के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। दीपावली का त्योहार



नजदीक है, लेकिन किसानों के घरों में खुशियों के बजाय चिंता छाई हुई है। इस स्थिति को देखते हुए पिछड़ा वर्ग महासभा के बिंद्रानवागढ़ विधानसभा प्रभारी एवं किसान नेता जीवन साहू ने प्रदेश सरकार से दीपावली के पूर्व प्रत्येक किसान के खाते में कम से कम 20 हजार रुपये की अग्रिम सहायता राशि जमा करने की मांग की है। किसान नेता ने बताया कि असमय बारिश और तेज हवाओं से अंगेती धान की फसल और सरना किस्म की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। पौधे खेतों में गिर चुके हैं, जिससे दानों का भराव प्रभावित हुआ है। किसानों ने धान बेचकर त्योहार मनाने के जो सपने संजोए थे, वे टूट चुके हैं। जीवन साहू ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि जिस प्रकार सरकार कर्मचारियों को त्योहार पर अग्रिम वेतन देती है, उसी प्रकार संकट में फंसे किसानों को भी तत्काल सहायता दे। इस राशि को बाद में धान खरीदी के समय समायोजित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि किसानों के पास पैसा आने से ग्रामीण बाजारों में भी रौनक लौटेगी। उन्होंने सरकार से फसल नुकसान का सर्वे कराकर उचित मुआवजा देने की भी मांग की है।

शहीद भगत सिंह बस्ती का दशहरा उत्सव आज

महासमुंद। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शहीद भगतसिंह बस्ती महासमुंद द्वारा प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी विजयादशमी उत्सव शुक्रवार 30 अक्टूबर 2026 को मनाया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन पुराना मंडी परिसर गंजपारा में होगा।

गौसेवा के दावों के बीच घायल गाय की सुध लेने वाला कोई नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुईहा-बेलर

कुण्डेल-तरीघाट पुल पर हाइवा की टक्कर से टूटा गाय का पैर

फिंगेश्वर क्षेत्र में गौसेवा को लेकर बड़े-बड़े दावे करने वाले संगठनों और राजनीतिक दलों की सक्रियता पर उस समय गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं, जब एक घायल गाय दर्द से कराह रही है और उसकी देखभाल के लिए स्थानीय स्तर पर केवल एक व्यक्ति आगे आया है। कुण्डेल-तरीघाट पुल पर करीब एक सप्ताह पहले एक हाईवा की टक्कर से गाय का एक पैर टूट गया था, जिसके बाद से वह गंभीर हालत में पड़ी है। गाय की दयनीय स्थिति को देखते हुए स्थानीय निवासी डॉ. रमाकांत साहू ने अपने स्तर पर उसकी सेवा और उपचार की जिम्मेदारी संभाली है। वे पिछले एक सप्ताह से रोजाना गाय को इंजेक्शन लगवाने, मरहम-पट्टी करने तथा खाने के लिए पैरा और हरी घास उपलब्ध कराने जैसे प्रयास कर रहे हैं। उनकी इस सेवा से गाय की हालत में कुछ सुधार जरूर हुआ है, लेकिन पैर की गंभीर चोट के कारण वह अब भी बहुत पीड़ित है। पिछले दो दिनों से हो रही बारिश के दौरान गाय को भीगने से बचाने के लिए उन्होंने तिरपाल और वाहन की कवर शीट से अस्थायी छत भी तैयार की है।

- एक सप्ताह से सेवा में जुटे डॉ. रमाकांत साहू

भारी वाहनों का कहर और गौसेवा के दावों की पोल

ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में तेज रफ्तार भारी वाहनों की दिन-रात आवाजाही से आए दिन गोवंश सड़क हादसों का शिकार हो रहे हैं। फिंगेश्वर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक गौसेवा के नाम पर राजनीति और श्रेय लेने की होड़ तो खूब दिखती है, लेकिन संकट के समय जमीनी स्तर पर मदद के लिए कोई आगे नहीं आता। बहरहाल, डॉ. रमाकांत साहू का यह सेवा कार्य यह संदेश दे रहा है कि गौसेवा की सार्थकता सिर्फ नारों से नहीं, बल्कि जरूरत के वक्त किए गए कर्मों से साबित होती है।



सरकारी पशु चिकित्सा सेवाओं पर उठे सवाल

डॉ. साहू ने घायल गाय के उपचार के लिए कौंढकैरा, फिंगेश्वर और राजिम स्थित सरकारी पशु चिकित्सालयों व टोल-फ्री नंबरों पर संपर्क करने का पूरा प्रयास किया। आरोप है कि चिकित्सकों के उपलब्ध न होने और सरकारी सुविधा न होने का हवाला देकर फोन काट दिए गए, जिससे स्पष्ट होता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में पशु चिकित्सा सेवाएं महज दिखावा बनकर रह गई हैं।

अनदेखी : सड़क- बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव

80 साल से पगडंडी पर टिकी सांसें, घोषणा के बाद भी डूमरघाट तक नहीं पहुंची विकास की रोशनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

गरियाबंद जिले के आदिवासी विकासखंड मुख्यालय मैनपुर से महज 12 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम डूमरघाट आज भी पक्की सड़क और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहा है। आजादी के 80 साल बीत जाने के बाद भी यहां के ग्रामीण पगडंडी के सहारे जीवन जीने को मजबूर हैं। आपात स्थिति में गर्भवती महिलाओं और मरीजों को खाट या कांवर पर लादकर 7-8 किलोमीटर का पैदल सफर तय कर मैनपुर अस्पताल पहुंचाना पड़ता है।

ग्राम बरदूला से डूमरघाट पहुंचने के लिए 7 किलोमीटर का ऐसा पथरीला और जर्जर रास्ता है, जहां दो पहाड़ियों और टीलों को पार करना पड़ता है। रास्ते की स्थिति इतनी दयनीय है कि बाइक चलाना तो दूर, पैदल चलना भी खतरे से खाली नहीं है। इस गांव

- आपात स्थिति में गर्भवती महिलाओं और मरीजों को खाट या कांवर पर लादकर ले जाने की मजबूरी



मनरेगा के नाम पर लाखों खर्च, ज़मीन पर बड़े-बड़े गड्ढे





सड़क मरम्मत के नाम पर मनरेगा और अन्य योजनाओं से कागजों पर लाखों रुपये खर्च किए जा चुके हैं, लेकिन जमीन पर दुर्घटना को आमंत्रित करते बड़े-बड़े गड्ढे ही नजर आते हैं। कई बार सर्वे होने के बावजूद प्रशासनिक सुस्ती के कारण फाइलें आगे नहीं बढ़ पाई हैं। जिला पंचायत सदस्य श्रीमती लोकेश्वरी नेताम ने नाराजगी जताते हुए कहा कि मुख्यालय से महज 12 किमी दूर स्थित गांव में सड़क और बिजली का न होना अधिकारियों के उदासीन रवैये को दर्शाता है। वहीं, जनपद सदस्य सुकचंद ध्रुव ने कहा कि भाजपा सरकार होने के बावजूद पूर्व मुख्यमंत्री की घोषणा पर ध्यान न देना समझ से परे है, जिसे लेकर उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष को पत्र भी भेजा है। ग्रामीण अब आंदोलन की चेतावनी दे रहे हैं।



में मुख्य रूप से विशेष पिछड़ी कमार जनजाति और आदिवासी समाज के लोग निवास करते हैं। क्षेत्रीय विधायक जनक ध्रुव खुद मोटरसाइकिल पर सवार होकर इस सुदूर गांव तक पहुंचे थे। ग्रामीणों की समस्याओं को करीब से देखा था, जिससे ग्रामीणों में उम्मीद जगी थी कि अब सूरत बदलेगी। लेकिन दौरे के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। इससे पहले, ग्राम पंचायत बोईरगांव प्रवास के दौरान तत्कालीन मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों की मांग पर डूमरघाट में बिजली और पक्की सड़क निर्माण की घोषणा की थी। अफसरों की टीम ने सर्वे कर एक महीने में काम शुरू करने का भरोसा भी दिया था, लेकिन 8-9 साल बीत जाने के बाद भी न सड़क बनी और न ही बिजली पहुंची।

राजिम सड़क चौड़ीकरण, ग्रामीणों ने रुकवाया नाली निर्माण कार्य



सड़क पर बेतरतीब मुरुम-मिट्टी डालने से वाहन फंस रहे, निर्माण कार्य की जांच की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ मुड़ागांव (कोरासी)

लोक निर्माण विभाग द्वारा छुरा से राजिम पहुंच मार्ग के चौड़ीकरण का कार्य 15 सितंबर से प्रारंभ किया गया है। सड़क चौड़ीकरण के तहत पुल-पुलिया निर्माण के साथ सड़क पर मुरुम-मिट्टी डालने का कार्य किया जा रहा है। कई स्थानों पर मुरुम-मिट्टी को व्यवस्थित तरीके से नहीं डालकर छोड़ दिया जा रहा है। इससे आए दिन वाहन फंस रहे हैं और राहगीरों को आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

वहीं, लोहझर-खैरझिटी क्षेत्र में नाली निर्माण का कार्य भी प्रारंभ किया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि नाली का निर्माण निर्धारित एस्टीमेट के अनुसार नहीं किया जा रहा है। निर्माण कार्य में अनियमितता की आशंका को देखते हुए ग्रामीणों ने लोहझर में नाली निर्माण का कार्य रुकवा दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क चौड़ीकरण जैसे महत्वपूर्ण कार्य में गुणवत्ता और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए।



लापरवाही का आरोप

सड़क पर लापरवाहीपूर्वक मुरुम-मिट्टी डालने से दोपहिया सहित अन्य वाहन फंस रहे हैं, जिससे आवागमन बाधित हो रहा है। इससे वाहन चालकों और राहगीरों को रोजाना परेशानी झेलनी पड़ रही है।

जांच की मांग- ग्रामीणों ने संबंधित विभाग के अधिकारियों से सड़क चौड़ीकरण एवं नाली निर्माण कार्य की बारीकी से जांच कराने की मांग की है। साथ ही निर्माण कार्य निर्धारित एस्टीमेट और गुणवत्ता मानकों के अनुरूप कराने तथा सड़क पर डाली गई मुरुम-मिट्टी को व्यवस्थित करने की मांग की है, ताकि राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी न हो तथा आवागमन सुरक्षित बना रहे।

सड़क किनारे लगे संकेतक बोर्डों की चोरी ग्रामीणों ने जांच और कार्रवाई की उठाई मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ मुड़ागांव (कोरासी)

मुड़ागांव से पांडुका पहुंच मार्ग पर लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़क चौड़ीकरण के बाद राहगीरों की सुविधा के लिए विभिन्न स्थानों पर संकेतक बोर्ड लगाए गए हैं। इन बोर्डों के माध्यम से वाहन चालकों और राहगीरों को मार्ग, दिशा तथा आसपास के स्थानों की जानकारी मिलती है। लेकिन क्षेत्र में सड़क किनारे लगे इन संकेतक बोर्डों की चोरी होने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम मड़ेली से पिपरछेड़ी

- मड़ेली से पिपरछेड़ी मार्ग तक कई बोर्ड गायब
- आरी ब्लेड से काटकर चोरी किए जाने की आशंका



पहुंच मार्ग के बीच कई स्थानों पर लगे संकेतक बोर्ड गायब हैं। आशंका जताई जा रही है कि अज्ञात लोगों द्वारा आरी ब्लेड से बोर्डों को काटकर चोरी किया जा रहा है।

सड़क किनारे लगाए गए संकेतक बोर्ड सार्वजनिक संपत्ति हैं, जो राहगीरों और वाहन चालकों की सुविधा के साथ-साथ यातायात व्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। इनकी चोरी होने से शासन को आर्थिक नुकसान होने के साथ ही सड़क सुरक्षा पर भी असर पड़ सकता है।

ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन का ध्यान इस ओर आकर्षित करते हुए क्षेत्र में संकेतक बोर्डों की चोरी की जांच कराने की मांग की है। साथ ही क्षेत्र में घूमने वाले कबाड़ संग्रहकर्ताओं की गतिविधियों की जांच करने तथा चोरी के सामान की खरीद-बिक्री की पड़ताल करने की मांग उठाई है। ग्रामीणों का कहना है कि जांच में दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ नियमानुसार उचित कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि सार्वजनिक संपत्ति की चोरी पर रोक लगाई जा सके।

डिजिटल व आजीविका की उड़ान, अमलीपदर में महिलाओं को मिला 'नीति तारा' का संबल

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

आकांक्षी विकासखंड मैनपुर के ग्रामीण अंचल अमलीपदर में महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक नई शुरुआत हुई है। हाल ही में ग्राम संगठन के सुचारु संचालन, आ जी वि का गतिविधियों को गति देने और महिलाओं को डिजिटल युग में आत्मनिर्भर बनाने के लिए एक विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान 'नीति तारा डिवाइस' के जरिए महिलाओं को आधुनिक वित्तीय प्रबंधन और डिजिटल साक्षरता के गुर सिखाए गए, जिससे उनमें जबरदस्त उत्साह देखा गया। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर्स ने स्व-सहायता समूह की महिलाओं और पदाधिकारियों को आजीविका गतिविधियों की प्रभावी निगरानी के तौर-तरीके बताए।

- पारदर्शिता के साथ मजबूत होगी कार्यप्रणाली



साथ ही, बुक संधारण लेखा-जोखा, अभिलेखों के व्यवस्थित रखरखाव और डिजिटल मॉनिटरिंग की विस्तृत जानकारी दी गई, जिसका उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर वित्तीय पारदर्शिता बढ़ाना है। आज के तकनीकी दौर में महिलाओं को पीछे न रहने देने के उद्देश्य से प्रशिक्षण का मुख्य हिस्सा डिजिटल वित्तीय साक्षरता को समर्पित रहा।

सुरक्षित लेनदेन के तरीके सिखाए- महिलाओं को व्यावहारिक रूप से यूपीआई ऐप का उपयोग करने और बैंक खातों के सुरक्षित लेन-देन के तरीके सिखाए गए। इसके साथ ही, ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव के लिए साइबर सुरक्षा के कड़े पाठ पढ़ाए गए और सतर्क रहने की सलाह दी गई। इस प्रशिक्षण से महिलाओं के आत्मविश्वास में भारी बढ़ोतरी हुई है। अमलीपदर की महिलाओं की सक्रिय भागीदारी यह साबित करती है कि ग्रामीण अंचल अब डिजिटल क्रांति की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है।

विकासखंड शिक्षा अधिकारी ने स्कूलों का किया निरीक्षण

फिंगेश्वर। शैक्षिक गुणवत्ता में कसावट लाने हेतु विकासखंड शिक्षा अधिकारी हेमंत साहू ने फिंगेश्वर विकासखंड के शासकीय प्राथमिक पूर्व माध्यमिक शाला बिजली,नवाडीह बिजली एवं मड़वाडीह स्कूलों का आकस्मिक निरीक्षण कर शैक्षणिक गतिविधियों, विद्यालय परिसर की साफ सफाई,विद्यार्थियों की पढ़ाई तथा शासन के विभिन्न शैक्षणिक योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालयों में स्वच्छ वातावरण बनाए रखने ,विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित



करने,शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार लाने के साथ–साथ अपार आईडी,आधार कार्ड,एम.बी.यू.आय–जाति,निवास प्रमाण पत्र, शत प्रतिशत पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया। शासन से मिलने वाली योजनाओं से कोई भी छात्र–छात्राएं वंचित न हों। वहीं विद्यार्थियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए जवाहर नवोदय विद्यालय तथा प्रयास विद्यालय की प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी पर विशेष रूप से ध्यान देने की बात कहीं। इस अवसर पर इस अवसर पर संकुल समन्वयक भुवन यदु,व्याख्याता पूरन लाल साहू, प्रधान पाठक नंदकुमार यादव,विद्या बोरझा,वीरेंद्र साहू शिक्षक टिकेन्द्र यदु,कृपाराम बघेल,वीरेंद्र यदु,टकेश धुरव,नेहा भेंसले व छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।

कांग्रेस की 'वोट बचाओ, देश बचाओ' महारैली में शामिल होंगे अमितेष

राजिम। छत्तीसगढ़ के प्रथम पंचायत मंत्री अमितेष शुक्ल दिल्ली में आयोजित कांग्रेस की वोट बचाओं देश बचाओ महारैली में शामिल होने के लिए रवाना हुए। उनके दिल्ली दौरे की जानकारी उनके कार्यालय द्वारा दी गई। महारैली में शामिल होने के लिए कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं के जुटने की तैयारी है।



चार साल से निर्माण कार्य की एक लाख की राशि अटकी

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुरा

ग्राम पंचायत बोडराबांधा (व) में उचित मूल्य की दुकान सह गोदाम के निर्माण से जुड़ी 1 लाख रुपए की राशि का भुगतान पिछले 4 वर्षों से नहीं हो पाया है। निर्माण कार्य पूरा होने के बावजूद राशि न मिलने पर शिकायतकर्ता ने सवाल उठाए हैं। इस संबंध में लिखित शिकायतों के साथ सीएम हेल्पलाइन और कलेक्टर जनदर्शन में भी गुहार लगाई जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला है।

शिकायत के मुताबिक, तत्कालीन कार्यक्रम अधिकारी



कपिल नायक के कहने पर 25 अगस्त 2022 तक कार्य पूर्ण कराया गया था। आरोप है कि तत्कालीन पंचायत सचिव ने निर्धारित राशि से 1 लाख रुपए अधिक आहरित कर लिए थे, जबकि मौके पर कार्य कम हुआ था। बाद में उनका स्थानांतरण सारागांव हो गया और जाते समय उन्होंने राशि पंचायत में जमा करने की बात कही थी, जो आज तक नहीं की गई। राशि जमा न होने के कारण वर्तमान सरपंच और सचिव भुगतान करने में असमर्थता जता रहे हैं। वहीं, तत्कालीन अधिकारी द्वारा लगातार आश्वासन मिलने के बावजूद 2 साल से समाधान नहीं हुआ है।

इस मामले में 11 अक्टूबर 2023 को सीईओ और 16 मई 2024 को एसडीएम छुरा के समक्ष शिकायत की गई, लेकिन कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद सीएम हेल्पलाइन और कलेक्टर जनदर्शन में भी आवेदन दिया गया। पीड़ित ने अब उच्च अधिकारियों से निष्पक्ष जांच कर जल्द राशि दिलाने की मांग की है।



खबर संक्षेप

ईवीएम पर ठीकरा फोड़ने वाली कांग्रेस के लिए एमएलसी चुनाव बना आईना

राजिम। भारतीय जनता पार्टी जिला के जिला महामंत्री चंद्रशेखर साहू ने हाल ही में चार राज्यों में संपन्न हुए विधान परिषद चुनावों के परिणामों में कांग्रेस पार्टी की हार पर तंज कसा है। उन्होंने कहा है कि जो पार्टी हमेशा से ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर अपनी हार का



ठीकरा इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों पर फोड़ती थी, उसे बैलेट पेपर से हुए इस विधान परिषद चुनाव में भी करारी हार का सामना करना पड़ा है। इस परिणाम ने कांग्रेस के उन सभी तर्कों और बहानों की पोल खोल दी है जो वे जनता के बीच रखते आए हैं। चंद्रशेखर साहू ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि कांग्रेस पार्टी और उसके नेता अक्सर चुनाव हारने के बाद जनता के जनादेश का सम्मान करने के बजाय ईवीएम को अपना पसंदीदा बहाना बना लेते थे। लेकिन इस बार एमएलसी चुनाव बैलेट पेपर के माध्यम से कराए गए थे, जहां जनता और जनप्रतिनिधियों ने सीधे मतपत्रों का इस्तेमाल किया। इसके बावजूद कांग्रेस को चार राज्यों में एक भी सीटें नहीं मिली। हार यह साबित करती है कि उसकी नीतियां, नेतृत्व और जनविरोधी चरित्र ही उसकी हार का मुख्य कारण हैं। कहा कि अब जब चुनाव बैलेट पेपर से हुए और कांग्रेस फिर भी बुरी तरह पराजित हो गई, तो पार्टी के पास अपनी कमियों को छिपाने के लिए कोई बहाना नहीं बचा है। जनता ने कांग्रेस को पूरी तरह से नकार दिया है।

राज्य के कर्मचारियों के लिए केंद्र के समान डीए की मांग

राजिम। केंद्र सरकार द्वारा केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 3 प्रतिशत की वृद्धि कर इसे 60% से 63% किए जाने के निर्णय का



छत्तीसगढ़ शालेय शिक्षक संघ ने स्वागत किया है। इस बढ़ोतरी के बाद केंद्र और छत्तीसगढ़ के डीए में 5 प्रतिशत का अंतर आ गया है। वर्तमान में राज्य के कर्मचारियों और पेंशनरों को 58% डीए मिल रहा है, जबकि केंद्र के कर्मचारियों को 63% प्राप्त हो रहा है।शालेय शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष व राष्ट्रीय महासचिव विवेक शर्मा ने राज्य सरकार से मांग की है कि वह अपने वादे के अनुसार प्रदेश के कर्मचारियों को भी केंद्र के समान 63% महंगाई भत्ता और महंगाई राहत दे। बढ़ती महंगाई को देखते हुए लंबित 5% डीए का एरियर देय तिथि से जोड़ते हुए दीपावली पर्व से पूर्व कर्मचारियों के खातों में भुगतान सुनिश्चित किया जाए। संघ के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र दुबे ने भी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी से समर्थन जताते हुए कहा कि आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों से कर्मचारियों के मासिक बजट पर दबाव बढ़ रहा है। दीपावली से पहले डीए मिलने से लाखों परिवारों को आर्थिक संबल मिलेगा। अब प्रदेश के शासकीय कर्मचारियों की निगाहें सरकार के सकारात्मक फैसले पर टिकी हैं।

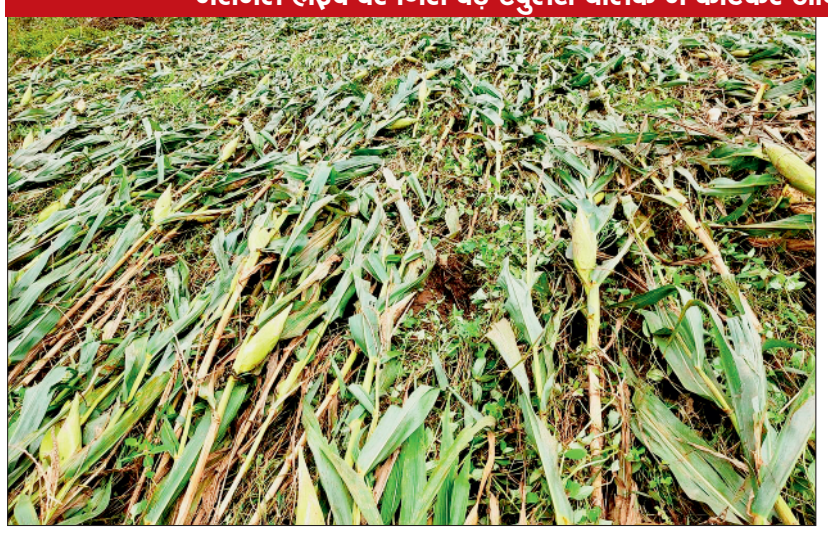
मौसम : दो दिनों से हो रही बारिश से बढ़ी ठंड, बिजली की आंखमिचौली ने किया परेशान

चक्रवाती तूफान का कहर: तेज हवा-बारिश से खेतों में बिछी धान और मक्का की फसल, जनजीवन प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

गरियाबंद जिले में चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के प्रभाव से क्षेत्र मे पिछले दो दिनो दिन रात हो रही झमाझम बारिश और आंधी–तूफान ने तबाही मचा दी है। बारिश से गांव की गलियों और रास्तों में कीचड़ फैल गया है, पैदल चलना मुश्किल हो रहा है। आम जनजीवन पूरी तरह अस्त–व्यस्त हो गया। प्राकृतिक मार ने अन्नदाताओं की रातों की नींद उड़ा दी है, तो वहीं सड़कों पर भी इसका भारी असर देखने को मिला है। जिस धान की फसल को देखकर किसान अच्छी पैदावार और घर में खुशहाली के सपने संजो रहे थे, उसी पर कुदरत का वज्राघात हुआ है। कटाई के बिल्कुल करीब पहुंच चुकी धान की फसल तेज हवाओं के झोंकों को सहन नहीं कर पाई और कई गांवों में खेतों में पूरी तरह बिछ गई है। लगातार बारिश और खेतों में नमी बढ़ने से धान के दाने काले पड़ने या खराब होने का खतरा मंडरा रहा है। गिरी हुई फसल को समेटने में किसानों को भारी अतिरिक्त मेहनत और मजदूरी का सामना करना पड़ेगा। फिलहाल मैनपुर और देवभोग क्षेत्र के कितने गांवों और कितने रकबे में नुकसान हुआ है, इसका आधिकारिक आकलन कृषि व राजस्व विभाग के सर्वे के बाद ही सामने आ पाएगा। क्षेत्र में हजारों एकड़ में मक्का की फसल किसान ले रहे हैं, लेकिन लगातार आंधी और बारिश के कारण भारी हानि पहुंची है।

नेशनल हाईवे पर गिरा पेड़ एंबुलेंस चालक ने काटकर आवागमन किया सुचारू





एनएच पर गिरा पेड़, एंबुलेंस चालक काटकट अस्पताल पहुंचाया

तूफान के चलते नेशनल हाईवे 130–सी पर एक भारी–भरकम पेड़ सड़क पर आ गिरा, जिससे आवागमन पूरी तरह ठप हो गया था। रात 11:30 बजे के आसपास मैनपुर देवभोग मुख्यमार्ग में आंधी तूफान के चलते पेड़ गिर जाने से 108 संजीवनी एक्सप्रेस के चालक ने मरीज की गंभीर स्थिति को देखते हुए स्वयं मोर्चा संभाला। पेड़ को सड़क से काटकर हटाकर आवागमन बहल किया। उन्होंने आधी रात को खुद हिम्मत जुटाई और गिरे हुए पेड़ को काटकर रास्ते से हटाया। इसके बाद ही कहीं जाकर नेशनल हाईवे पर यातायात सुचारू रूप से चालू हो सका, जिसकी क्षेत्र में काफी सराहना हो रही है। कभी तेज हवा, कभी मूसलाधार बारिश और कभी भयानक तूफान इन तीनों की मार ने किसानों को बेचैन कर दिया है। फिलहाल किसानों की निगाहें आसमान पर टिकी हैं कि कब मौसम साफ हो और वे खेतों की स्थिति का जायजा लेकर अपनी फसल को सुरक्षित घर पहुंचा सकें।

खेतों में बिछी धान की फसल, किसानों की उम्मीदों पर बेमौसम की मार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रसेला

जिस धान की फसल से किसानों को अच्छी पैदावार और परिवार के बेहतर भविष्य की उम्मीद थी, उसी पर बारिश और तूफान ने संकट खड़ा कर दिया है। अर्नब तूफान के प्रभाव से क्षेत्र में पिछले दो दिनों से हो रही लगातार बारिश और तेज हवाओं ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। बालियों से लदे धान के पौधे खेतों में गिरकर बिछ गए हैं। इससे फसल को नुकसान पहुंचने के साथ ही कटाई में भी परेशानी होने की आशंका है। क्षेत्र में धान की फसल पककर तैयार होने की स्थिति में है। ऐसे समय में मौसम की मार किसानों की मेहनत पर भारी पड़ती नजर आ रही है। खेतों में गिरी फसल को देखकर किसान चिंतित हैं। किसानों का कहना है कि जो फसल उनके लिए खुशहाली की उम्मीद लेकर आई थी, अब उसी फसल को सुरक्षित घर तक पहुंचाना चुनौती बन गया है।क्षेत्र के किसान नंदकिशोर यादव, कार्तिक यादव, संतराम नेताम, बिग्रेंद्र ठाकुर, पुरोहित यादव, राकेश कोमर्रा, अशोक कुमार ठाकुर, मकरम ठाकुर और भागवत सिन्हा ने बताया कि तेज हवा और बारिश के कारण धान की फसल खेतों में गिर गई है। इससे पकी हुई फसल की कटाई करने में काफी दिक्कत होगी। वहीं, जिन फसलों को पकने में अभी समय है, उन्हें अधिक नुकसान पहुंचने की आशंका है। खेतों में गिरी फसल के दानों के ठीक से पकने और उनकी गुणवत्ता प्रभावित होने की भी चिंता बनी हुई है। किसानों ने बताया कि क्षेत्र में अधिकांश किसानों ने बोता पद्धति से धान की खेती की है। इस पद्धति से उगाई गई धान की फसल तेज हवाओं के प्रभाव से जल्दी गिर जाती है। लगातार बारिश और तेज हवा के कारण ऐसी फसलों को अधिक नुकसान पहुंचने की आशंका है। खेतों में पानी और गिरी हुई फसल के बीच कटाई का काम भी प्रभावित हो सकता है। किसान पूरे फसल सीजन में खेतों की देखभाल, खाद, बीज, सिंचाई और मजदूरी पर अपनी जमा पूंजी खर्च करते हैं। अच्छी पैदावार की उम्मीद में दिन-रात मेहनत करते हैं, लेकिन जब फसल पककर तैयार होने लगती है, तब मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियां उनकी उम्मीदों पर पानी फेर देती हैं। ऐसे में बारिश और तूफान से हुए संभावित नुकसान ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। अब किसानों की निगाहें मौसम साफ होने और फसल को जल्द से जल्द सुरक्षित तरीके से काटकर घर लाने पर टिकी हुई हैं।

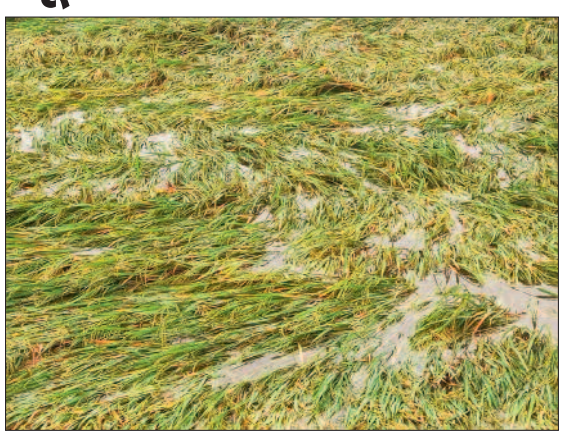


चक्रवात 'अर्नब' के प्रभाव से खेतों में गिरी धान की बालियां

किसानों की उम्मीदों पर अर्नब ने फेरा पानी, खेतों में डूब गई धान की फसल

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजिम

बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के असर से पिछले दो दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश ने अंचल के किसानों की नींद उड़ा दी है। खेतों में लहलहाती और पककर तैयार धान की फसल, जिसे देखकर किसान अच्छी पैदावार के सपने देख रहे थे, अब पानी में डूबती नजर आ रही है। लगातार बारिश ने अन्नदाताओं की उम्मीदों पर ऐसा पानी फेरा है कि वे अपनी महीनों की मेहनत को आंखों के सामने बर्बाद होते देखने को मजबूर हैं। खेतों में भरे पानी और डूबी फसलों को देखकर किसान माथे पर हाथ रखकर बैठने को विवश हैं और लगातार बारिश थमने की प्रार्थना कर रहे हैं। राजिम से लेकर आसपास के ग्रामीण इलाकों तक मौसम की इस भयंकर मार का असर साफ दिखाई दे रहा है। खरीफ सीजन किसानों के पूरे साल की आजीविका का मुख्य आधार होता है। रोपाई से लेकर निंदाई-गुड़ाई तक दिन-रात पसीना बहाने के बाद जब फसल कटाई के करीब पहुंचती है, तब ऐसा बिगड़ा मिजाज किसानों के लिए बड़ा झटका है। खेतों में लंबे समय तक पानी भरा रहने से फसल सड़ने का खतरा पैदा हो गया है।



दर्जनों गांवों में फसल प्रभावित- सिंधौरी, श्यामनगर, बरोंडा, सुरसाबांधा, तर्रा, कुरुसकेरा, जेंजरा, मुड़तराई, रवेली, कौंदकेरा, पिपरछेड़ी, बेलटुकरी, भैंसातरा, पथर्रा, पितईबंद, बकली, रॉवड़, पोखरा, किरवई और कुम्ही कोमा सहित अनेक गांवों में खेतों में पानी भरने से धान की फसल बुरी तरह प्रभावित हुई है। खेतों में दूर-दूर तक पानी ही पानी नजर आ रहा है। जिस फसल को किसानों ने महीनों की कड़ी मेहनत, खाद, बीज और कर्ज लेकर तैयार किया था, उस पर मौसम की बेरुखी भारी पड़ रही है।

प्रशासनिक सर्वे और मुआवजे की आस- इस प्राकृतिक आपदा से घिरे किसानों की निगाहें अब मौसम के साथ-साथ प्रशासनिक कार्रवाई पर भी टिकी हैं। किसानों ने मांग की है कि शासन-प्रशासन द्वारा जल्द से जल्द गांव-गांव में फसलों के नुकसान का सर्वे कराया जाए। प्रभावित खेतों का निरीक्षण कर वास्तविक आकलन किया जाना बेहद जरूरी है, ताकि संकट में फंसे किसानों को समय पर उचित मुआवजा और राहत राशि मिल सके।

दीपावली से पहले टूटी किसानों की कमर, खेत में सड़ी धान की फसल

छुईहा बेलर। बंगाल की खाड़ी से उठे चक्रवात अर्नब फिर बेमौसम बारिश की मार ने किसानों की दीपावली से पहले दिवाली ही बुझा दी। दो दिन की लगातार तेज बारिश और आंधी-तूफान ने खरीफ की पकी-पकाई धान की फसल को पूरी तरह चौपट कर दिया है। खेतों में 2 से 3 फीट पानी भरा है, धान के पौधे कमर तोड़ कर जमीन पर गिर गए हैं और पानी में डूबे हुए हैं। अगर दो दिन में पानी नहीं निकला तो पूरी फसल सड़ जाएगी। सबसे ज्यादा मार राजिम विधानसभा के छुईहा,बेलर , चरौदा,कुण्डेल,खुटेरी, बिजली ,सेंदर,चैतरा, परसदाकला, गनियारी,,बोड़की, देवगांव क्षेत्र में पड़ी है। यहां धान की फसल 80 प्रतिशत पक चुकी थी और कटाई शुरू होने ही वाली थी। छुईहा के किसान परदेशी राम सिन्हा और मनोज सिन्हा ने खेत में पहुंचकर बर्बादी का मंजर दिखाया। उन्होंने कहा साल भर की मेहनत, खाद-बीज, कर्ज लेकर की गई खेती दो दिन की बारिश में खत्म हो गई। धान के सारे पौधे गिर गए हैं, बालियां पानी में डूबी हैं। अब यह फसल सड़ने के अलावा कोई रास्ता नहीं है। दीपावली कैसे मनाएं, घर में अनाज नहीं, जेब में पैसा नहीं।किसानों का कहना है कि इस बार उत्पादन अच्छा होने की उम्मीद थी, मौसम अनुकूल रहा कीटनाशक दवाएं,खाद की खर्च भी कम हुये थे। लेकिन चक्रवात अर्नब ने सब पर पानी फेर दिया।तैयार धान की फसलें तेज हवा और बारिश से जमीन पर बिछ गई हैं। पीड़ित किसानों ने सरकार से आग्रह किया है कि शासन-प्रशासन से तत्काल राजस्व और कृषि विभाग की संयुक्त टीम बनाकर अतिवृष्टि से हुए नुकसान का गांव-गांव सर्वे कराया जाए। जिन किसानों ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत बीमा कराया है, उन्हें तुरंत बीमा का लाभ दिलाया जाए। जिन किसानों का बीमा नहीं हुआ है, उनका भी सर्वे कर आरबीसी 6-4 के तहत मुआवजा राशि प्रदान किया। प्रशासन से तुरंत सर्वे कराकर उचित मुआवजा देने और कृषि ऋण माफ करने की मांग कर रहे हैं। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र सर्वे नहीं हुआ तो फसल सड़ने के बाद सबूत भी खत्म हो जाएगा और किसान मुआवजे से वंचित रह जाएंगे। सब्जी की फसल नुकसान का सर्वे किया जाना चाहिए।



चक्रवात का कहर,चार माह की मेहनत पानी में डूबी

गरियाबंद। अर्बन चक्रवात के प्रभाव से गरियाबंद जिले के ग्रामीण अंचलों में लगातार दो दिनों तक हुई बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। तेज हवा, तूफान और मूसलाधार बारिश के चलते खेत-खलिहान पानी से लबालब भर गए हैं। धान की लहलहाती फसल पानी में डूब गई है। गरियाबंद के आसपास गांव परसूली, कोचवाय, कोसमी, बारबाहरा, झालखम्हार, मैनपुर और खरहरी कोपरा पांडुका सहित जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में फसल को नुकसान पहुंचने की आशंका से किसान परेशान हैं।



चार महीने तक दिन-रात मेहनत कर धान की फसल को तैयार करने वाले किसानों के सामने अब संकट खड़ा हो गया है। जिन खेतों में कुछ दिन पहले तक धान की बालियां निकलने से अच्छी पैदावार की उम्मीद जगी थी, वहां अब पानी भरा हुआ है। फसल के लंबे समय तक पानी में डूबे रहने से धान की बालियों के सड़ने और दाने खराब होने का खतरा बढ़ गया है।

जिले के ग्रामीण इलाकों में हुई लगातार बारिश से खेतों की स्थिति चिंताजनक हो गई है। कई स्थानों पर धान की फसल पानी में डूबी हुई है। तेज हवाओं और बारिश ने किसानों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। फसल में बालियां निकलने के बाद किसान बेहतर उत्पादन की उम्मीद लगाए बैठे थे, लेकिन मौसम की मार ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। किसानों के लिए धान की फसल सालभर की आजीविका का प्रमुख सहारा है। रोपाई से लेकर फसल की देखभाल तक किसान लगातार मेहनत करते हैं। फसल तैयार होने के समय प्राकृतिक आपदा आने से किसानों के सामने आर्थिक संकट गहराने की आशंका है। ग्रामीण अंचलों में किसान अब मौसम साफ होने और खेतों से पानी उतरने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। किसानों को चिंता है कि यदि बारिश का दौर जारी रहा, तो बची हुई फसल को भी संभालना मुश्किल हो जाएगा। बारिश से प्रभावित किसानों को अब शासन-प्रशासन से राहत की उम्मीद है। किसानों की मांग है कि संबंधित विभाग के अधिकारी प्रभावित खेतों का निरीक्षण कर फसल क्षति का आकलन करें और नियमानुसार मुआवजा दिलाने की कार्रवाई करें।

कलेक्टर ने एकलव्य आवासीय विद्यालय कोसमबुड़ा का निरीक्षण कर ली बैठक

एकलव्य आवासीय विद्यालय के पांच बच्चों को राष्ट्रपति करेंगी सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुरा

कलेक्टर रणबीर शर्मा ने एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय कोसमबुड़ा का निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न कक्षाओं में पहुंचकर विद्यार्थियों से बातचीत की और विभिन्न विषयों एवं सामान्य ज्ञान से संबंधित सवाल पूछे। विद्यार्थियों ने कलेक्टर के सवालों का सही जवाब दिया। बच्चों की अच्छी तैयारी देखकर कलेक्टर ने तालियां बजवाकर उन्हें प्रोत्साहित किया। कुछ बच्चों ने कहा कि आगे वे सिविल सर्विस, मेडिकल, इंजीनियरिंग, फैशन डिजाइन में जाना चाहते है। जिस पर कलेक्टर ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें अभी से उत्साह एवं लगन के साथ तैयारी करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को नीट, जेईई और आईआईटी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि वे अभी से अपना लक्ष्य तय कर नियमित पढ़ाई करें। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि विद्यार्थियों को इन परीक्षाओं की जानकारी देने के साथ उनकी तैयारी भी कराएं, ताकि वे आगे चलकर और अच्छे संस्थानों में प्रवेश पा सकें। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. कमलाकांत यादव ने बताया कि शैक्षणिक सत्र सत्र 2025-26 में कक्षा दसवीं का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहा एवं कक्षा बारहवीं का परीक्षा परिणाम 98 प्रतिशत रहा। यह विद्यालय के विद्यार्थियों और शिक्षकों की मेहनत का परिणाम है। राष्ट्रपति भवन में 12 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर विद्यालय के पांच विद्यार्थियों को राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया जाएगा। दो विशेष रूप से पीवीटीजी के विद्यार्थियों का एमबीबीएस के लिए चयन हुआ है। कक्षा 12वीं के 11 बच्चों को भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलोर, आईआईटी दिल्ली जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों का शैक्षणिक भ्रमण भी कराया गया है।



ये रहे उपस्थित- इस दौरान एसडीएम अवंति गुप्ता, आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त लोकेश्वर पटेल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. यूएस नवरत्न, समाज कल्याण विभाग के उप संचालक डीपी ठाकुर, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग के कार्यपालन अभियंता रामेश्वर सिंह, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता विप्लव घृतलहरे, जिला परिवहन अधिकारी युगेश्वरी वर्मा, डीएमसी शिवेश शुक्ला सहित अन्य उपस्थित थे।

शैक्षणिक व्यवस्था और विकास कार्यों की समीक्षा



कलेक्टर श्री शर्मा ने विद्यालय में जिला स्तरीय संचालन समिति की बैठक लेकर विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था और विकास कार्यों की समीक्षा की। बैठक में विद्यार्थियों के नामांकन, रिक्त सीटों, पीवीटीजी विद्यार्थियों के प्रवेश, शिक्षकीय एवं गैर-शिक्षकीय पदों की स्थिति और आगामी सत्र के लिए परीक्षा परिणाम के लक्ष्य पर चर्चा की गई। कक्षा 10वीं एवं 12वीं के बोर्ड परीक्षा परिणाम, खेलकूद और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में विद्यार्थियों की उपलब्धियों की भी जानकारी ली गई। विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं, आवश्यक संसाधनों, भोजन व्यवस्था, विद्यार्थियों की दैनिक दिनचर्या और हाउस प्रणाली की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर ने विद्यालय ग्राउंड का समतलीकरण, महिला एवं पुरुष गार्ड रूम के समीप शौचालय, ओपन ऑडिटोरियम निर्माण, नलकूप खनन, स्टडी रूम निर्माण, ट्रांसफर्मर के पास सुरक्षा जाली लगाने संबंधित कार्य के लिए ईपीडब्ल्यूडी के अधिकारी को निर्देशित किया।

